मध्य प्रदेश में भारत का पहला SSLNG संयंत्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के विजयपुर में **गेल (इंडिया) लिमिटेड में भारत की पहली लघु-स्तरीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (SSLNG)** इकाई राष्ट्र को समर्पित की।

मुख्य बिंदु:

- सरकार का लक्ष्य अपने **प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण** में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को वर्तमान में 6% से थोड़ा अधिक से बढ़ाकर **वर्ष 2030 तक 15% करना है।**
  - ऐसा इसलिये है क्योंकि प्राकृतिक गैस **कोयले और तेल जैसे पारंपरिक हाइड्रोकार्बन** की तुलना में बहुत कम प्रदूषणकारी है; **यह तेल से भी सस्ता है** तथा भारत की 85% से अधिक आवश्यकता महँगे आयात से पूरी होती है।
  - हरित ऊर्जा **और भविष्य के ईंधन की दिशा में भारत की यात्रा** में प्राकृतिक गैस **को एक महत्त्वपूर्ण संक्रमण ईंधन के रूप में देखा जाता है।**
- हालाँकि गैस की खपत बढ़ाने में एक **बड़ी चुनौती** उन स्थानों पर गैस के परिवहन में है जो देश की प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड से नहीं जुड़े हैं।
- **लघु-स्तरीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (SSLNG):**
  - यह सामान्य बड़े पैमाने पर **द्रवीकरण, पुनर्गैसीकरण एवं परिवहन बुनियादी ढाँचे और प्रक्रियाओं** की तुलना में काफी छोटे पैमाने के संचालन में अपरंपरागत साधनों का उपयोग करके **प्राकृतिक गैस के द्रवीकरण** तथा उसके परिवहन को संदर्भित करता है।
  - SSLNG शृंखला बड़े पैमाने पर LNG आयात टर्मिनल से शुरू हो सकती है जहाँ से LNG को पाइपलाइनों के माध्यम से पुन: गैसीकृत और आपूर्ति करने के बजाय क्रायोजेनिक सड़क टैंकरों या छोटे जहाज़ों द्वारा उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जा सकता है।
  - शृंखला प्रचुर प्राकृतिक गैस आपूर्तिया उत्पादन वाले स्थानों पर भी शुरू हो सकती है, जहाँ छोटे द्रवीकरण संयंत्र स्थापित किये जा सकते हैं।
    - विजयपुर में SSLNG इकाई, जो GAIL की सबसे बड़ी गैस प्रसंस्करण सुविधा है, दूसरे प्रकार के स्थान का एक उदाहरण है।

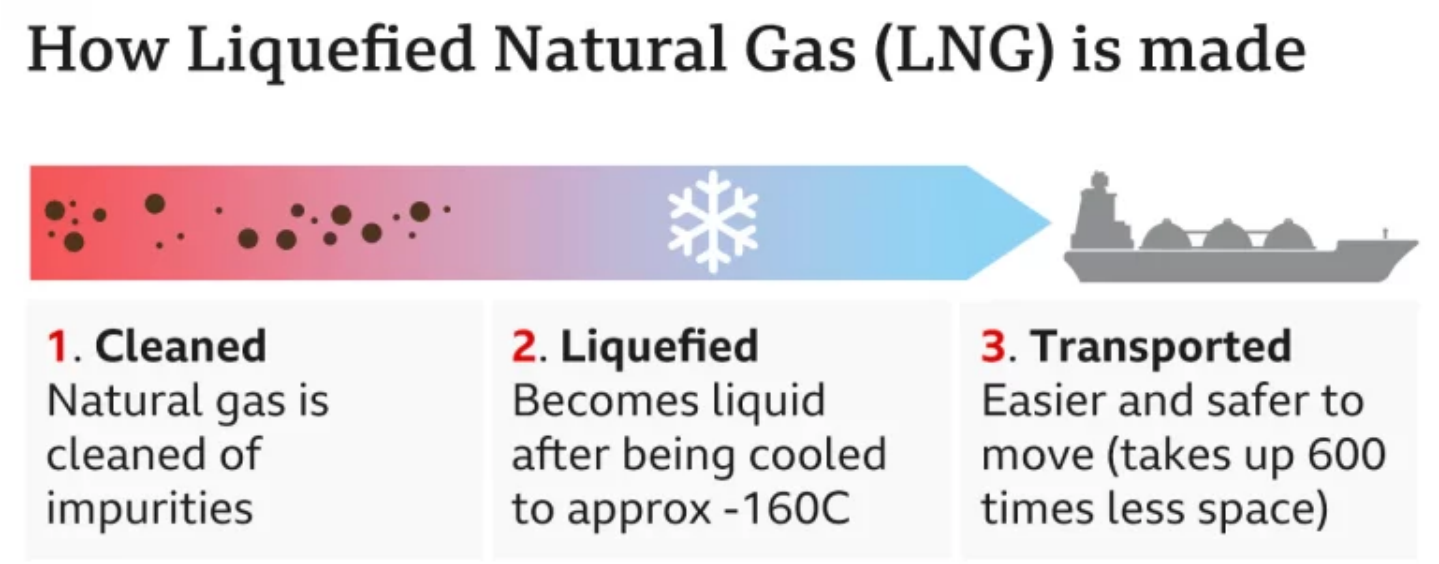

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-first-sslgn-plant-in-madhya-pradesh